मुछ् 1. P. *i.q.* पुछ्.

मुज् 1. P. (मृजाध्वनयोः) abstergere, purificare; sonare. (V. मुञ्ज्, मृज्, मस्ज्, मार्ज्, मर्च् et cf. lat. *mûgio*, gr. *μυκάομαι*.)

1. **मुञ्च्** 1. A. (कल्कने K. मोक्षे V.; scribitur मुच्, gr.110[a].) decipere, fallere; liberare.

2. **मुञ्च्** 1. P. (गत्याम्) ire.

मुञ्ज् 10. P. (scribitur मुज्) *i.q.* मुज्.

1. **मुट्** 1. et 10. P. (सञ्चूर्णने K. क्षुदि V.) conterere. *Cf.* मुण्ट्, मुण्ड्, मृद्, 2. पुट्.

2. **मुट्** 6. P. (आक्षेपमर्दनयोः) prosternere, *nisi* contemnere; conterere. *V.* 1. मुट्.

मुण् 6. P. (प्रतिज्ञाने) promittere, polliceri. *Cf.* मन्.

मुण्ट् 1. P. (मर्दे) conterere. *Cf.* मुण्ड्, मृद्.

मुण्ठ् 1. P. (पलायने K. पलाये V.; scribitur मुठ्) aufugere.

1. **मुण्ड्** 1. P. (scribitur मुड्) 1) conterere. 2) tondere, radere. *Cf.* मुट्, मुण्ट्, पुण्ड्.

2. **मुण्ड्** 1. P. A. 1) purificari, purum esse. 2) sidere, submergi. (Cf. मण्ड्, lat. *mundus, mundare.*)

मुण्ड (r. मुण्ड् s. अ) 1) *Adj.* calvus, nudò capite. 2) *m.n.* caput.

मुण्डक *m.* (r. मुण्ड् s. अक) tonsor. HEM.

मुण्डिन् *m.* (r. मुण्ड् s. इन्) *id.* AM.

1. **मुद्** 1. A. gaudere, laetari. SA. 3.17.: ताम् भार्यां लब्ध्वा ... मुमुदे; N. 13.74.: एतया सह मोदस्व; H. 2. 21.: मोदिष्ये शाश्वतीः समाः. — मुदित laetus. N.24. 49. (Cf. मद्, मन्द्, मण्ड्, मृड्, lith. *mudrùs* animosus, alacer, promtus.)

c. अनु concedere, permittere. MAH. 2.1787.: के द्यूतम् अन्वमोदन्त केचै 'नम् प्रत्यषेधयन्; 4.800.

c. अनु praef. अभि *Caus.* valedicere. MAH. 1.4447.: आमन्त्र्य प्रययौ राजा तैश्चै 'वा 'भ्यनुमोदितः.

c. प्र *i.q. simpl.* PAR. R. Schl. I. 1.84.: कृतकृत्यः ... प्रमुमोद; 44.61.: प्रमुमोद च लोकस् तन् नृपम् आसाद्य. — प्रमुदित laetus. SU. 1.31.33. — *Caus.* exhilarare. MAN. 3.61.

c. प्रति *i.q. simpl.* PAR. MAH. 1.6781.: तम् प्रजाः, प्रतिमोदन्त्यः, सर्वाः प्रत्युद्गतास् तदा.

2. **मुद्** 10. P. (सम्पर्के) miscere.

3. **मुद्** *f.* (r. 1. मुद्) gaudium. IN. 5.59.

मुद्गर *m.* (e मुद् et गर deglutiens) malleus bellicus (Wils.: *A mallet, a mace, a weapon like a carpenter's hammer*). SU. 2.3. A. 10.5.

मुद्रा *f.* sigillum.

मुद्रित (a praec. s. इत) obsignatus. UR. 43.8. *infr.*

मुधा *Adv.* frustra, incassum. HIT. 107.6.

मुनि *m.* (ut videtur, a r. मन्, attenuato अ in उ, suff. इ) anachoreta, sanctus sapiens, vates. SU. 2.14. BH. 2.56. 10.37.

मुमुक्षु (a मुमुक्ष् DESID. r. मुच् s. उ) emancipationem cupiens. BH. 4.15. — शरान् मुमुक्षु sagittas emittere cupiens. RAGH. 9.58.

मुमूर्ष् DESID. r. मृ, v. gr. 539. et 543.

मुमूर्षु *Adj.* (a praec. s. उ) mori cupiens vel moriturus. DR. 7.5.

मुर् 6. P. (सम्वेष्टने K. वेष्टने V.) circumdare, vestire. K.: मुरति कण्टकेन वाडीङ् कृषकः. (Cf. वृ i.e. वर्; lat. *murus*; lith. *múras*; germ. vet. *mûra*; anglo-sax. et island. vet. *mûr* id.)

मुर्छ् 1. P. (proprie मूर्छ्, vocalis brevis enim nusquam apparet) 1) animo conturbari; deliquium animi pati, animo linqui. GITA-GOV. 4.19.: पतत्य् उद्याति मूर्छत्य् अपि; BHATT. 15.55.: अमूर्छीद् असौ क्षतः; R. Schl. II. 34.17.: पपात भुवि मूर्छितः; IN. 5.48.: क्रोधमूर्छिता. 2) implere, penetrare, occupare. RAGH. 6.9.: परितो दिगन्तान् तूर्यस्वने मूर्छति (Schol. व्याप्नुवति सति). 3) crescere. RAGH. 12.57.: मुमूर्छ सख्यं रामस्य समानव्यसने हरौ (Schol. ववृधे); 10.80.: स्वाभाविकम् विनीतत्वम् तेषाम् विनयकर्मणा मुमूर्छ (Schol. वृद्धिम् प्राप) सहजम् तेजो हविषे 'व हविर्भुजाम्. 4) valere, potentem esse. RAGH. 2.34.: न